Current AFFAIRS

कौटिल्य एकेडमी
www.kautilyaacademy.com IAS·IPS·MPPSC·CJ-II

इजरायल हमास संघर्ष

आज के विषय

- इजरायल-हमास संघर्ष
- केन-बेतवा लिंक परियोजना

1

- फ़िलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास ने इज़राइल पर सुनियोजित तरीके से हमला किया है ।
- यह हमला योम किप्पुर युद्ध की 50वीं वर्षगांठ पर 'ऑपरेशन अल अक्सा स्टॉर्म' के तहत किया है।
- हमास के लड़ाके गाजा पट्टी के पास से इज़राइल के क्षेत्र में प्रवेश कर सैकड़ों निवासियों को मार रहे है साथ ही दर्जनों को बंधक बना लिया है।
- हमास ने इजरायल पर 5000 से अधिक राकेट से हमला किया है, जिसके बाद इजरायल ने भी हमास के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी है।
- सशस्त्र फ़िलिस्तीनी समूह 'हमास' ;-
  - हमास एक लड़ाका संगठन है।
  - यह राजनीतिक रुप से गाजा पट्टी को नियंत्रित करता है।
  - यह समूह इजरायल को राष्ट्र के रुप में मान्यता नहीं देता है।
- हमास, ओस्लो शांति समझौते (1993) का हिंसक तरीके से विरोध करता रहा है।
- इस समझौते के तहत फिलिस्तीन लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन (PLO) औपचारिक रुप से इजरायली राज्य को मान्यता प्रदान करता है।

94250-68121, 98939-29541, 91110-10991 to get your queries answered fast.
www.kautilyaacademy.com

- PLO का गठन 1964 में किया गया था। यह संयुक्त राष्ट्र में एक गैर सदस्य देश 'फिलिस्तीन' के नाम से फिलिस्तीन का प्रतिनिधित्व करता है।

- इस समझौते के तहत इजरायल ने फिलिस्तीनियों को गाजा और वेस्ट बैंक में कुछ मामलों में सीमित स्वशासन दिया है।

- अरब-फ़िलिस्तीनियों और यहूदियों के बीच संघर्ष ;-
  - इस संघर्ष का मूल प्रथम विश्व युद्ध और उस्मानिया साम्राज्य (Ottoman Empire) के विघटन से जुड़ा हुआ है।
  - बाद में बाल्फोर घोषणा (1917) में ब्रिटेन ने यहूदियों के लिए राष्ट्रीय भूमि के रूप में फिलिस्तीन की स्थापना का संकल्प लिया।
  - वर्ष 1947 में संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन को अरब एवं यहूदियों के मध्य विभाजित करने के लिए मतदान हुआ।
  - यहूदी निवासियों ने समझौते को स्वीकार कर लिया और 1948 में इजरायल की स्वतंत्रता की घोषणा कर दी। वहीं अरबों ने इस समझौते को अस्वीकार कर दिया। इस वजह से दोनों पक्षों के बीच चार युद्ध हुए।

- वर्ष 1973 का योम किप्पर या रमजान युद्ध चौथा अरब-इजरायल युद्ध था। इस युद्ध में एक तरफ इजरायल था तो दूसरी तरफ मिस्र और सीरिया के नेतृत्व में अरब देश थे। यह युद्ध फ़िलिस्तीनी क्षेत्र पर विवाद को लेकर लड़ा गया था।

94250-68121, 98939-29541, 91110-10991 to get your queries answered fast.
www.kautilyaacademy.com

- इस युद्ध के परिणामस्वरूप 1978 में कैंप डेविड समझौता हुआ।
- इस समझौते के तहत पहली बार किसी अरब देश ने इजरायल को एक 'राज्य' के रूप में मान्यता दी।
- समझौते के तहत इजरायल ने सिनाई प्रायद्वीप मिस्र को वापस लौटा दिया।

94250-68121, 98939-29541, 91110-10991 to get your queries answered fast.
www.kautilyaacademy.com

Current AFFAIRS

कौटिल्य एकेडमी
www.kautilyaacademy.com IAS·IPS·MPPSC·CJ·II

केन-बेतवा लिंक परियोजना

5

- हाल ही में केन-बेतवा लिंक परियोजना को केंद्र सरकार ने स्वीकृति प्रदान कर दी है।
- इस परियोजना से 10 लाख 62 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी और लगभग 62 लाख लोगों को पीने का पानी मिलेगा।
- यह राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (National Perspective Plan: NPP) के तहत पहली नदी-जोड़ो परियोजना है।
- KBLP सूखाग्रस्त बुन्देलखण्ड क्षेत्र के लिए परियोजना है।
- यह क्षेत्र उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के 13 जिलों में फैला हुआ है।
- KBLP के तहत केन नदी से अधिशेष जल को बेतवा नदी (जल की कम मात्रा) में स्थानांतरित किया जाएगा।
- केन और बेतवा यमुना की सहायक नदियां हैं।
- चरण 1:-
  इसमें दौधन बांध कॉम्प्लेक्स तथा सहायक इकाइयों जैसे लो- लेवल टनल, केन-बेतवा लिंक नहर और बिजलीघरों का निर्माण किया जाएगा।
- चरण || :-इसमें लोअर ओर बांध, बीना कॉम्प्लेक्स परियोजना और कोठा बैराज का निर्माण किया जाएगा।

94250-68121, 98939-29541, 91110-10991 to get your queries answered fast.
www.kautilyaacademy.com

- यह परियोजना जल आपूर्ति और सिंचाई के लिए जल उपलब्ध कराकर बुन्देलखण्ड क्षेत्र में पानी की कमी को दूर करेगी।
- यह बिजली भी उत्पादित करेगी (103 मेगावाट जलविद्युत और 27 मेगावाट सौर ऊर्जा)।
- राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (NPP);-
  - NPP की योजना तत्कालीन सिंचाई मंत्रालय (अब जल शक्ति मंत्रालय) ने बनाई थी।
  - इसका मुख्य उद्देश्य अधिशेष जल वाले बेसिन से पानी की कमी वाले बेसिन में जल स्थानांतरित करना है।
  - NPP के आधार पर, राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी (NWDA) ने 30 नदी-जोड़ो परियोजनाओं की पहचान की है।
  - इनमें से 16 प्रायद्वीपीय क्षेत्र (KBLP सहित) में हैं और 14 हिमालयी क्षेत्र में हैं।

94250-68121, 98939-29541, 91110-10991 to get your queries answered fast.
www.kautilyaacademy.com